सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 278 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 15 नवम्बर, 2021
मूल्य ₹ 3/-

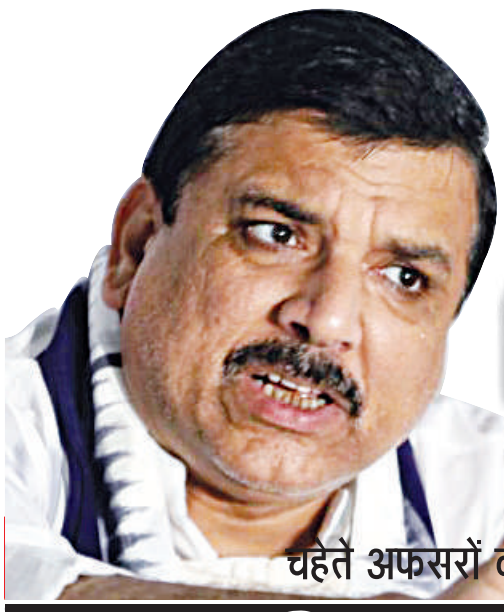

भारत सौ से भी अधिक समस्याओं वाला देश हो सकता है, लेकिन ये बिलियन सोल्यूशंस वाला देश भी है।
-कैलाश सत्यार्थी

चहेते अफसरों को रिटायर होने... 8 | उत्तराखंड : कुमाऊं और गढ़वाल... 3 | अमीरों की तिजोरियां भर रही... 7

फिर हिंदुत्व को सियासी हथियार बना रही भाजपा, विपक्ष बोला, सब जानती है जनता

» राम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और मां अन्नपूर्णा की मूर्ति स्थापना को भुनाने में जुटे भाजपा नेता

» विपक्ष ने बताया आस्था से खिलवाड़, कहा, विकास के नाम पर भाजपा के पास नहीं गिनाने को कोई काम

» झांसे में नहीं आने वाली जनता, भाजपा का प्रदेश से होगा सफाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा एक बार फिर हिंदुत्व को सियासी हथियार बनाने में जुटी है। यही वजह है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर से लेकर कनाडा से मां अन्नपूर्णा की मूर्ति भारत लाने और दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में उसकी भव्य रैली निकालने और उसे वाराणसी में स्थापित करने तक को भाजपा भुनाने में जुटी है। वहीं विपक्ष ने इसको लेकर भाजपा पर जमकर हमला किया है। उसका कहना है कि विकास के काम गिनाने की जगह भाजपा धार्मिक आस्था के नाम पर जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है लेकिन जनता सब जानती है और इस बार भाजपा का प्रदेश से सफाया तय है।

विधान सभा चुनाव में हिंदू वोटरों को लुभाने के लिए भाजपा ने एक बार फिर धार्मिक भावनाओं वाला दांव चला है। भाजपा नेता अपने बयानों के जरिए अयोध्या में राम मंदिर से लेकर काशी के विश्वनाथ धाम कॉरिडोर और मंदिरों के पुन:निर्माण की ब्रांडिंग कर रहे हैं। अब भाजपा मां अन्नपूर्णा की शरण में जाती दिख रही है। इसी सिलसिले में प्रतिमा को काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित किया गया। जिस तरह मूर्ति की यूपी में रथयात्रा निकाली गई, इससे भी साफ है कि यह भाजपा की चुनावी रणनीति का हिस्सा है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

कनाडा से आयी है प्रतिमा

18वीं सदी की पत्थर की बनी मां अन्नपूर्णा की प्रतिमा 108 साल पहले 1913 में काशी से चोरी कर कनाडा ले जाई गई थी। इसे कनाडा से वापस लाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने व्यक्तिगत तौर पर रुचि दिखाई। कनाडा सरकार द्वारा मूर्ति भारत को सौंपने के बाद गुरुवार को दिल्ली में हुए भव्य समारोह में इसे सुसज्जित रथ पर रखकर यूपी के विभिन्न जिलों से होते हुए बनारस पहुंचाया गया था।

“ हमारे पास अन्नपूर्णा देवी का आशीर्वाद है। यह सुनिश्चित करना हमारा कर्तव्य है कि कोई भी भूखा न रहे। चुनाव वाले उत्तर प्रदेश में सरकार ने सुनिश्चित किया है कि राष्ट्रीय खजाने को वापस लाने की उपलब्धि को मान्यता मिले।

जी किशन रेड्डी, केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री

“ भाजपा के लिए आस्था व्यापार है। ये वही भाजपा है जो मंदिर निर्माण की जमीन में घोटाले करती है। चंदा चोरी करती है। अब वह आस्था की आड़ में अपनी नाकामी छिपा रही है। इसके पास गिनाने के लिए विकास का कोई काम नहीं है। जनता सब समझ चुकी है। भाजपा का सफाया तय है।

सुनील सिंह साजन, एमएलसी, सपा

“ भाजपा को धर्म का इतना ही अर्थ पता है कि इससे लोगों को बेवकूफ बनाकर चुनाव में अच्छे वोट मिलते हैं। धर्म की बातों के पीछे छिपकर हर तरह का अधर्म ये पार्टी खुल कर करती है। न इनको हिन्दू धर्म के मूल्यों से कोई वास्ता है न ही राज धर्म से। सत्ता मिलने के बाद राम राज्य की तर्ज पर सबके लिए काम करना था, उल्टे इन्होंने सबको महंगाई में पीस दिया। करोड़ों लोगों को बेरोजगारी दे दी। लोगों का घर चलाना मुश्किल कर दिया। अब चुनाव आते ही धार्मिक आडंबर के पीछे छिपने की कोशिश शुरू हो गई है।

वैभव माहेश्वरी, प्रवक्ता, आप

“ भाजपा सरकार अपनी असफलताओं और नकारापन को छिपाने के लिए धर्म के पीछे छिप रही है, जिससे यह स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री को नौजवानों, किसानों और प्रदेश के विकास से कोई मतलब नहीं है वह जनता की बुनियादी जरूरतों पर बात नहीं करेंगे। कांग्रेस ने प्रियंका गांधी के नेतृत्व में जो प्रतिज्ञाएं की हैं उससे प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली आएगी यही असली राजनैतिक धर्म है, जनता भाजपा के कालनेमि को सत्ता से बाहर कर सफाया करने जा रही है।

अंशु अवस्थी, प्रवक्ता, कांग्रेस

“ भाजपा हमेशा से अपने सियासी हितों की पूर्ति के लिए जनता की धार्मिक भावनाओं से खेलती रही है। चुनाव आते ही वह विकास की जगह धर्म का आडम्बर फैला रही है। इसके जरिए वह अपनी नाकामियों को छिपाना चाहती है लेकिन काठ ही हांडी बार-बार नहीं चढ़ने वाली है।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

प्रदूषण पर बैठक नहीं, एक्शन प्लान बताइए: सुप्रीम कोर्ट

» केंद्र और दिल्ली सरकार से कल तक मांगा जवाब

» दिल्ली और एनसीआर में लगातार बढ़ रहा प्रदूषण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर में खतरनाक स्तर पर पहुंच चुके प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने आज फिर केंद्र और दिल्ली सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि जिस तरह प्रदूषण पर आपात बैठक हुई, उस तरह कोई बैठक की उम्मीद नहीं की जा सकती। हालात खराब होने के बाद भी केवल आपात बैठक करने की बात की जा रही है। हमें कल शाम तक हालात काबू करने के लिए एक्शन प्लान की जानकारी दीजिए।

कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार से कहा है कि वे कल शाम तक बताएं कि कौन की इंडस्ट्री को बंद किया जा सकता है और किस तरह की गाड़ियों को सड़कों पर आने से रोका जा सकता है। वहीं दिल्ली सरकार ने कहा कि अगर पूरे एनसीआर में लॉकडाउन लगाया जाता है तो दिल्ली भी इसके लिए तैयार है।

सपा के कामों को गिना रही भाजपा: अखिलेश

» कल पूर्वांचल एक्सप्रेस वे का सांकेतिक उद्घाटन करेगी सपा

» एक्सप्रेस-वे पर सरकार ने नहीं दी जाने की अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। किसानों के साथ-साथ मजदूरों के खिलाफ भी कानून बनाए गए हैं। कोरोना काल में मजदूर पैदल चलकर आए जबकि यूपी सरकार के पास तमाम बसें हैं। सरकार ने कोई मदद नहीं की। तमाम मजदूरों की जान चली गयी। सपा ने मृतक मजदूरों के परिवारों को सपा ने मदद की।

उन्होंने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के उद्घाटन के बहाने सपा के पदाधिकारियों को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। सुल्तानपुर में उनके घरों में पुलिस लगाई जा रही है। सड़क निर्माण की गुणवत्ता से समझौता किया गया है। परमिशन नहीं मिली है इसलिए सपा सांकेतिक रूप से कल फूल चढ़ाकर एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करेगी। भाजपा के पास कोई विजन नहीं है। वह केवल सपा के कामों को गिना रही है। जिस काम को सपा पांच साल पहले छोड़ चुकी है उस काम को वे आज कर रहे हैं। इस मौके पर अखिलेश यादव ने पुस्तक का विमोचन भी किया।

भ्रष्टाचार की राजनीति करती है बसपा और कांग्रेस : केशव

» डिप्टी सीएम बोले, भाजपा ने माफियाओं को जेल में डाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पूरी तरह चुनावी मूड में नजर आए। भदोही में सभा को संबोधित करते हुए कहा सपा, बसपा और कांग्रेस भ्रष्टाचार की राजनीति करती है। समाजवादी पार्टी गुंडे, माफियाओं को लेकर टहल रही है। भाजपा के रहते माफिया जेल में हैं। इस सरकार ने देश और प्रदेश में विकास किया है। इसी विकास के दम पर 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे और पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। विभाजनकारी ताकतों को सत्ता का सुख नहीं मिलेगा।

डिप्टी सीएम ने विपक्षी दलों पर जुबानी हमला बोलते हुए विधानसभा चुनाव 2022 को महत्वपूर्ण बताया। मौजूद लोगों से जिले की तीनों सीटों पर कमल खिलाने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा में जातिवाद का भेदभाव नहीं है। उन्होंने कहा जनता का खून चुसने वाली पार्टियों को जनता माफ नहीं करेगी। 2014, 2017, 2019 की तरह 2022 में जनता एक बार फिर भाजपा पर विश्वास जताएगी। केशव मौर्य ने कहा सपा, बसपा और कांग्रेस में सड़कों पर टहलने वाले गुंडे जेल में है या सूबे से बाहर चले गए हैं। अगर सरकार बदली तो वह फिर से बाहर आ जाएंगे। इसलिए उन्हें जेल में रखने के लिए 2022 में भाजपा जरूरी है। 15 साल में सूबे की सत्ता में सपा, बसपा काबिज रहीं। दोनों सरकारों में सिर्फ अपराध, भ्रष्टाचार, उत्पीड़न ही बढ़ा। भाजपा सरकार में प्रधानमंत्री मोदी के मंत्र सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के साथ सभी का विकास किया गया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं संवाद के दौरान नारों से उत्साह बढ़ाया। कहा कि 2017 में पार्टी का नारा था कि 100 में 60 प्रतिशत हमारा, 40 प्रतिशत में बंटवारा लेकिन 2022 में 40 फीसदी वोटों को भी हाफ करेंगे। जिससे सूबे में 300 से अधिक सीटों को जीतकर सरकार बनाएंगे। आपसी मतभेद जाना भूल, चुनाव में सिर्फ 56 इंच का सीना और कमल का फूल।

...तो बसपा भी भाजपा के साथ होगी खड़ी

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं से संवाद के दौरान बसपा को भी आड़े हाथों लिया। कहा कि एक समय था साल भर में तीन-तीन प्रभारी बदले जाते थे, लेकिन अब एक भी प्रभारी नहीं मिल रहे। उन्होंने संभावना जताई कि 2022 चुनाव से पूर्व सपा को हराने के लिए बसपा सुप्रीमों भाजपा का देने की घोषणा भी कर सकती है। केशव मौर्य ने भाजपा कार्यकर्ताओं को हनुमान की तरह बताया। कहा कि वे हर काम को आसानी से कर लेते हैं। कार्यकर्ताओं की देन है कि 2014 से शुरू हुआ भाजपा का विजयरथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। 2022 में भी विजय रथ अपने लक्ष्य तक पहुंचेगा।

जिन्नावादी सोच को सबक सिखाएगी जनता

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस को खरी-खोटी सुनाई। कहा कि देश के विघटन करने वाले मोहम्मद अली जिन्ना की जुबान बोलने वाले अखिलेश यादव को जनता सबक सिखाएगी। कांग्रेसी श्रीराम बोलने वालों को राक्षस और राष्ट्र के लिए समर्पित आरएसएस को आतंकवादी संगठन बता रहे हैं। जिन्नावादी सोच को जनता सफल नहीं होने देगी। केशव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वह जनता के बीच जाएं और पूर्ववर्ती सरकारों की खामियां और भाजपा के कार्यों को गिनाएं। घर से दूसरी पार्टी को वोट देने का मन बनाने वाली जनता ईवीएम तक पहुंचते-पहुंचते अपना मन बदल लेगी।

किसान आंदोलन के समाधान से यूपी चुनाव का संबंध नहीं : गोयल

» केंद्रीय मंत्री ने कहा फिर बनेगी भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कृषि कानून वापसी को लेकर चल रहे किसान आंदोलन का अभी तक कोई हल नहीं निकला है। इस बीच कई प्रदेशों में चुनाव भी होने हैं, जिसको लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार तीन नए कृषि कानूनों पर प्रदर्शन कर रहे किसानों से बात करने के लिए तैयार है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसान आंदोलन के समाधान का उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों से संबंध नहीं है। साथ ही उन्होंने यह विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा अपने सहयोगियों के साथ राज्य में फिर से सरकार बनाएगी। पीयूष गोयल ने कहा यूपी चुनाव में नतीजे अच्छे आएंगे।

भाजपा अपने सहयोगियों के साथ वहां फिर से एक बार पूरे बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। गोयल ने आगे कहा कि किसानो के आंदोलन को हल करना कोई यूपी के चुनाव से संबंध विषय नहीं है, वो तो हम वैसा ही करना चाहते हैं, जल्दी से जल्द करना चाहते हैं। गोयल ने कहा कि किसानों के साथ हम तो कल तैयार हैं बातचीत करने के लिए उन्होंने जोर देकर कहा कि किसानों के विरोध का हल उत्तर प्रदेश चुनाव से बिल्कुल भी संबंधित नहीं है। गोयल ने कहा कि विरोध करने वाले किसानों को चर्चा के लिए आगे आना चाहिए, लेकिन यह कुछ तथ्यों और तर्कों पर आधारित होना चाहिए। बता दें कि नए कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर पिछले नवंबर से हजारों किसान दिल्ली की सीमाओं पर डेरा डाले हुए हैं। कई बार किसानों की पुलिस के साथ झड़प हुई, इस क्रम में लालकिले की घटना भी हुई, लेकिन किसान अभी भी दिल्ली बार्डर पर टिके हुए हैं।

लखनऊ पहुंचे प्रधान, परखी चुनावी तैयारी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री व प्रदेश के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी लखनऊ में है। पार्टी मुख्यालय में वह प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल के साथ बैठकर चुनावी तैयारियों पर चर्चा करते रहे। सूत्रों ने बताया कि वाराणसी में संगठन की बैठक में जो रणनीति बनाई, उसे अमलीजामा पहनाने के लिए विचार-विमर्श किया गया। साथ ही वर्तमान में चल रहे अभियानों की भी समीक्षा प्रधान ने की।

सलमान खुर्शीद से सहमत नहीं हूं : हरीश रावत

» हिंदुत्व के मुद्दे पर बोले, अपने धर्म पर गर्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड राज्य में विधानसभा चुनाव की सियासी सरगर्मियां बढ़ते ही मुद्दों को लपकने की होड़ भी शुरू हो चुकी है। इस बार हिंदुत्व के मुद्दे पर कांग्रेस भाजपा को अकेले बैटिंग नहीं करने देना चाहती। शायद यही वजह है कि कांग्रेस पार्टी के चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष हरीश रावत रह-रहकर भाजपा की नब्ज से जुड़े हिंदुत्व के मुद्दे को छेड़ना नहीं भूलते हैं।

कांग्रेस भवन में ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नम: अंगवस्त्र पहनकर पीसी में पहुंचे हरीश रावत ने कहा कि उन्हें अपने धर्म पर गर्व है। उन्होंने कहा कि दूसरे लोग भी अपने धर्म पर गर्व कर सकें, हम उनका भी सम्मान करते हैं। यही हमारी सांविधानिक और लोकतांत्रिक व्यवस्था का सम्मान है। उन्होंने कहा वह व्यक्तिगत रूप से सलमान खुर्शीद से सहमत नहीं हैं। हिंदू कौन है इसकी परिभाषा विवेकानंद से लेकर हमारे उपनिषदों में, हमारे पुराणों में स्पष्ट की गई है। उन्होंने कहा कि सर्वधर्म समभाव, वसुधैव कुटुम्बकम, यही सनातन धर्म की पहचान है। कांग्रेस हमेशा से इस पहचान पर अडिग रहने के लिए कटीबद्ध रही है, लेकिन भाजपा ने हिंदुत्व का ध्रुवीकरण करते हुए हिंदु से उसके तत्व को अलग कर दिया है, इस तरह से उन्होंने हिंदुओं को बांटने का काम किया है। कांग्रेस का सिद्धांत सभी धर्मों को ताकत देने का है।

लालगंज हैदरगढ़ वाया बछरावा मार्ग फोरलेन मंजूर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री भारत सरकार नितिन गडकरी ने रायबरेली की जनता को बड़ी सौगात देते हुए भारत सरकार के नियमों को शिथिल कर लालगंज हैदरगढ़ वाया बछरावा मार्ग शिवगढ़ को फोरलेन करने की मंजूरी दी है। साथ ही लालगंज कस्बे में बछरावा के लिए बाइपास बनाने व रायबरेली शहर के रिंग रोड यानी लखनऊ रोड से कानपुर रोड डलमऊ रोड होते हुए प्रयागराज मार्ग को भी स्वीकृति प्रदान की है। गडकरी के इस फैसले से खुश रायबरेली से एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार जताया है। उन्होंने कहा यह दोनों मार्ग बन जाने से क्षेत्रवासियों को बड़ी सुविधा होगी। साथ ही लोगों के आवागमन का समय भी बचेगा। बता दें कि एमएलसी दिनेश प्रताप सिंह ने इन मार्गों के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को चिट्ठी लिखी थी। इसके अलावा विधानसभा में भी यह मुद्दा जोर शोर से उठाया था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

नौ सदस्यीय समिति बनाएगी भाजपा का घोषणा पत्र

» घोषणा-पत्र बनाने की कसरत शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विपक्षी दल विधान सभा चुनाव के लिए वादों की झड़ी लगाए हैं, वहीं भाजपा ने भी घोषणा-पत्र बनाने की कसरत शुरू कर दी है। इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार के अनुभवी संसदीय कार्य, वित्त एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना की अध्यक्षता में समिति गठित की है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति का संदेश देते हुए सभी जाति-वर्ग के नेताओं को समिति में रखा गया है। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव के लिए भाजपा ने पूरी तरह ताकत झोंक दी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य वरिष्ठ नेता प्रदेश के दौरे, परियोजनाओं को लोकार्पण-शिलान्यास कर रहे हैं। साथ ही प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने घोषणा पत्र तैयार करने के लिए नौ सदस्यीय समिति गठित कर दी। समिति का अध्यक्ष सुरेश खन्ना को बनाया गया है। घोषणा पत्र तैयार करने के लिए बनी समिति में उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सांसद ब्रज लाल और राजेश वर्मा संभालेंगे, जबकि सांसद विजय पाल तोमर, रीता बहुगुणा जोशी, कांता कर्दम और सीमा द्विवेदी के अलावा प्रदेश के राज्यमंत्री अतुल गर्ग व पार्टी के नीति व शोध विषयक प्रकोष्ठ के संयोजक पुष्कर मिश्रा को सदस्य बनाया गया है। समिति बनाने में इस बात का ख्याल रखा गया है कि सभी जाति-वर्गों का प्रतिनिधित्व इसमें हो। वह सभी के मुद्दे और अपेक्षाएं घोषणा पत्र में शामिल करा सकें।

भाजपा की श्रमिक चौपाल व सहभोज शुरू होंगे

भाजपा चुनाव में सभी वर्गों को अपने साथ जोड़े रखना चाहती है। इसके लिए संगठन ने पूरी रणनीति तैयार की है। इसी के तहत पार्टी श्रमिक चौपाल और सहभोज शुरू कर रही है। इसका जिम्मा श्रम प्रकोष्ठ को सौंपा गया है। प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक भूपेश अवस्थी ने बताया कि तीस नवंबर तक चलने वाले इस अभियान में कुल एक हजार चौपाल और एक हजार सहभोज का लक्ष्य है। 25 नवंबर तक प्रत्येक जिले में लगभग पंद्रह-पंद्रह श्रमिक चौपाल और 26 से तीस नवंबर तक पंद्रह-पंद्रह सहभोज आयोजित किए जाने हैं।

उत्तराखंड : कुमाऊं और गढ़वाल में सम्मेलन कर चुनावी रणनीति तैयार करेगी सपा

» चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी की रणनीति तैयार

» सभी सीटों पर चुनाव लड़ाने के लिए पदाधिकारियों संग मंथन कर रहे सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। आम आदमी पार्टी के अलावा बहुजन समाज पार्टी और उत्तराखंड क्रांति दल जैसी क्षेत्रीय पार्टियां पहले ही उत्तराखंड चुनाव में ताल ठोकने के दावे कर चुकी हैं और अब इस फेहरिस्त में समाजवादी पार्टी का नाम भी जुड़ गया है। अगले साल की शुरुआत में होने जा रहे विधान सभा चुनाव के लिए सपा ने उत्तराखंड की सभी 70 सीटों पर प्रत्याशी खड़े करने का ऐलान कर दिया है।

अखिलेश यादव की पार्टी ने अपने प्रत्याशियों के लिए छंटाई भी शुरू कर दी है। इधर, इस ऐलान के बाद भाजपा और कांग्रेस दोनों ने ही सपा की मौजूदगी को नकारते हुए कहा कि चुनाव में इससे कोई असर नहीं पड़ेगा। सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी के हवाले से जारी आधिकारिक बयान में पार्टी ने कहा कि भाजपा सरकार उत्तराखंड के गरीबों और व्यापारियों के खिलाफ साजिश कर रही है। भाजपा की जनविरोधी नीतियों से लोग परेशान हैं और डबल इंजन की सरकार बोलना भाजपा का संघीय ढांचे का अपमान करना है। देव भूमि के सम्मान, उत्तराखंड में खुशहाली और समृद्धि के साथ रोजगार एवं पर्यटन क्षेत्र में विकास करने को एजेंडा बताते हुए समाजवादी पार्टी ने अपनी रणनीति के बारे में भी बताया। भाजपा सरकार द्वारा सरकारी खजाने को लूटे जाने का आरोप लगाते हुए सपा ने कहा कि आने वाले दिनों में वह उत्तराखंड चुनाव के लिए अपने प्रत्याशी तय कर लेगी। चौधरी के हवाले से खबरों में कहा गया कि जिला, तहसील, ब्लॉक व पंचायत स्तर पर पार्टी मीटिंग कर बूथ मैनेजमेंट और सदस्यता पर फोकस कर रही है। कुमाऊं और गढ़वाल में पार्टी आने वाले दिनों में सम्मेलन कर चुनावी रणनीति तैयार करेगी।

कांग्रेस और भाजपा ने सपा को नकारा

सपा के इस ऐलान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के जिलाध्यक्ष जयपाल सिंह चौहान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में सपा सीएम योगी आदित्यनाथ से घबराई हुई है और उत्तराखंड में सीएम पुष्कर सिंह धामी की लोकप्रियता के सामने डरी हुई दिख रही है। चौहान ने कहा कि 70 उम्मीदवार खड़े करने के बावजूद एक भी सीट जीतने में सपा का दम फूल जाएगा। वहीं, कांग्रेस के राज्य उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि उत्तराखंड में कांग्रेस के अलावा कोई और पार्टी जनता के लिए विकल्प है ही नहीं। राज्य में समाजवादी पार्टी की सभी सीटों पर हार निश्चित है।

हर विधान सभा क्षेत्र में अखिलेश करेंगे जनसभा

विधान सभा चुनाव के साथ ही प्रदेश में सियासी सरगर्मियां तेज हो गयी है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधान सभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का संकल्प लिया है। समाजवादी पार्टी के विजय रथ यात्रा के दूसरे अभियान पर अखिलेश यादव आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गढ़ गोरखपुर से रवाना हुए। अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी विजय रथ यात्रा रविवार को कुशीनगर पहुंचेगी। वे पार्टी के नेताओं के साथ गोरखपुर के सातों विधान सभा क्षेत्र में रोड शो करेंगे। साथ ही जनसभा को भी संबोधित करेंगे। उनकी पहली सभा हाटा असेंबली सीट के झांगा बाजार में हुई। वहीं कुशीनगर की सभी विधानसभा क्षेत्रों में 13 और 14 नवंबर को जाएंगे और वहां सपा के समर्थन में लोगों से मिलेंगे और सभाएं भी करेंगे।

नाराज किसानों पर डोरे डाल रही भाजपा योजनाओं से पहुंचा रही लाभ

बाढ़-बारिश से फसलों के नुकसान से प्रभावित किसानों को जारी की जा रही धनराशि

» कृषि कानूनों को लेकर नाराज किसानों को मनाने की कवायद कर रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले भाजपा किसानों को मनाने में जुटी हुई है। एक ओर वह किसानों से संवाद कर रही है तो दूसरी ओर योजनाओं का लाभ पहुंचाने में जुटी है। योगी सरकार ने जिलों में बाढ़ और बारिश से फसलों को हुए नुकसान से प्रभावित लाखों किसानों को मुआवजा देने के लिए धनराशि जारी की है।

तीन कृषि कानूनों को लेकर प्रदेश के किसानों में भी गुस्सा है। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसान भाजपा सरकार से नाराज चल रहे हैं। वे कानूनों को वापसी की मांग को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। विपक्ष भी किसानों के मुद्दे पर सरकार को लगातार घेर रही है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को पता है कि यदि किसानों की नाराजगी को कम नहीं किया गया तो विधान सभा चुनाव में उसको खासा नुकसान उठाना पड़ सकता है। लिहाजा किसानों विशेषकर सीमांत और लघु किसानों को खुश करने के लिए योगी सरकार लगातार कोशिश कर रही है। हाल ही में बाढ़ और बारिश से हुए फसलों के नुकसान से प्रभावित किसानों को मुआवजा राशि देने के लिए राजस्व विभाग की ओर से प्रदेश के 52 जिलों के 8.25 लाख किसानों के लिए पांच किस्तों में कुल 282.09 करोड़ रुपये की धनराशि जारी गयी है। इसके अलावा हाल ही में बचे हुए 2.98 लाख किसानों के लिए अब 102.63 करोड़ रुपये की धनराशि और दी गई है। इसे मिलाकर इस साल बाढ़ व बारिश से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने के लिए अब तक राज्य आपदा मोचक निधि से 377.41 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की जा चुकी है। यह मुआवजा राशि प्रदेश के ललितपुर, लखीमपुर खीरी, बरेली, महोबा, बहराइच, मुरादाबाद, रामपुर, बदायूं, श्रावस्ती, हरदोई, सीतापुर, बाराबंकी, कन्नौज, बलरामपुर, उन्नाव, जालौन, कानपुर नगर, अलीगढ़, फर्रुखाबाद, बस्ती, अमेठी, अंबेडकरनगर, गोंडा, मेरठ, अयोध्या, मथुरा, आजमगढ़, मुजफ्फरनगर और फतेहपुर के एक किसानों को जारी किया गया है।

ट्रैक्टर रैली निकालने की तैयारी

विधान सभा चुनाव के मद्देनजर किसान आंदोलन का जवाब देने के लिए भाजपा के किसान मोर्चा ने प्रदेश भर में किसान ट्रैक्टर रैली के आयोजन की तैयारी की है। रैली की शुरुआत 16 नवंबर से होगी। सिलसिला 30 जनवरी तक चलेगा। पखवारे भर चलने वाले इस कार्यक्रम के तहत हर जिले में रैली का आयोजन किया जाएगा। भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने बताया कि इसकी शुरुआत मऊ जिले से हो रही है। 16 नवंबर को आयोजित मऊ की रैली में वह खुद भी मौजूद रहेंगे। 25 नवंबर को देवरिया, 27 को गौतमबुद्ध नगर और 28 नवंबर को वाराणसी की रैली भी निर्धारित हो गई है। जल्द ही अन्य जिलों के आयोजन तिथि भी जारी कर दी जाएगी। इन रैलियों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान, प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह का समय लिया जा रहा है। सभी रैलियों में स्थानीय सांसद, राज्यसभा सदस्य, विधायक, विधान परिषद सदस्य और भाजपा के पदाधिकारी मौजूद रहेंगे। इस दौरान किसानों को नए कृषि कानून की विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

गन्ने का भाव बढ़ाया

अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधान सभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गन्ने का अधिकतम मूल्य 25 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने की घोषणा की है। पहले यहां गन्ने का रेट 325 रुपये प्रति क्विंटल था जो अब बढ़ कर 350 हो गया है। इससे पहले केंद्र की मोदी सरकार ने भी किसानों को खुश करने की कोशिश की थी। केंद्र सरकार ने मिलों के लिए गन्ने का रेट 285 से बढ़ाकर 290 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया था।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के मायने

सर्दी के साथ दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में प्रदूषण का खतरा बढ़ता जा रहा है। दिल्ली-एनसीआर में एयर क्वालिटी इंडेक्स का स्तर बेहद गंभीर हो चुका है। लोगों का सांस लेना दूभर हो गया है। हवा इतनी जहरीली हो चुकी है कि लोगों की आंखों में जलन और खांसी की परेशानी हो रही है। ऐसी स्थिति में एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को फटकार लगायी है। साथ ही प्रदूषण को तत्काल नियंत्रित करने और जरूरत पड़ने पर दो दिन का लॉकडाउन लगाने तक का सुझाव दिया है। सवाल यह है कि केंद्र और राज्य सरकारें प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाल रही हैं? प्रदूषण के कारकों को नियंत्रित करने के लिए ठोस नीति क्यों नहीं बनायी जा रही है? पलारी के नाम पर राज्य सरकारें एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाकर अपने कर्तव्यों से पल्ला क्यों झाड़ लेती हैं? क्या मजबूत इच्छाशक्ति के बिना प्रदूषण पर नियंत्रण लगाया जा सकता है? क्या सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बिना केंद्र व राज्य सरकारें अपने कर्तव्यों का पालन नहीं कर सकती हैं? क्या लोगों के जीवन से खिलवाड़ करने की छूट किसी को भी दी जा सकती है?

हर साल सर्दियों में दिल्ली और आस-पास के राज्यों में प्रदूषण बढ़ जाता है। धुआं और फॉग मिलकर स्मॉग बन जाता है और यह वायु को प्रदूषित कर देता है। इस प्रदूषण के लिए पलारी जलाने को केंद्र और राज्य सरकारें सबसे बड़ा कारण बताती हैं लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि केवल पलारी ही नहीं बल्कि वाहन, पटाखे, कारखाने और खुले में रखी निर्माण सामग्री भी प्रदूषण का कारण हैं और केवल किसानों को इसके लिए दोषी नहीं माना जा सकता है। साफ है सरकार में प्रदूषण को दूर करने की मजबूत इच्छाशक्ति का अभाव है। अधिकांश राज्यों में पुराने वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं। इनका धुआं वातावरण को प्रदूषित कर रहा है। वहीं शहर के अंदर बने कारखाने और खुले में रखी निर्माण सामग्री भी प्रदूषण का बड़ा कारण है। बावजूद इसके पलारी जलाने वाले किसानों के खिलाफ जिस तेजी से कार्रवाई की जाती है, ऐसा अन्य तरीके से प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ नहीं होती है। मसलन दिल्ली में प्रतिबंध के बाद भी जमकर पटाखे छोड़े गए और प्रशासन मूक दर्शक बना रहा। वहीं किसानों की पलारी को नष्ट करने के लिए सरकार ने अभी तक कोई सस्ती व्यवस्था नहीं की है। पलारी को नष्ट करने वाली मशीनों के दाम अधिक है, जिसके कारण किसान इसको खरीद नहीं सकते। साफ है यदि सरकार प्रदूषण पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो वह सुप्रीम कोर्ट की चिंताओं को समझे और इसके स्थायी समाधान की कोशिश करे अन्यथा हालात बेहद खराब हो जाएंगे।

सवाल यह है कि केंद्र और राज्य सरकारें प्रदूषण की समस्या का स्थायी समाधान क्यों नहीं निकाल रही हैं? प्रदूषण के कारकों को नियंत्रित करने के लिए ठोस नीति क्यों नहीं बनायी जा रही है? पलारी के नाम पर राज्य सरकारें एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाकर अपने कर्तव्यों से पल्ला क्यों झाड़ लेती हैं? क्या मजबूत इच्छाशक्ति के बिना प्रदूषण पर नियंत्रण लगाया जा सकता है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनादेश से उपजे परिदृश्य के निष्कर्ष

राजकुमार सिंह

मौसम की तरह मिजाज बदलने वाले राजनेता भले ही जनता को भरमाने के भ्रम में रहें, पर हालिया उपचुनाव के परिणाम बताते हैं कि जनता ही वास्तव में जनार्दन है। पिछले दिनों हुए तीन लोक सभा और 29 विधानसभा उपचुनावों के परिणाम दरअसल राजनीतिक दलों-नेताओं का भ्रम दूर करने वाले हैं। कोई भी दल-नेता हर जगह समान भाव से मतदाताओं का आशीर्वाद मिलने का दावा नहीं कर सकता। कहीं मतदाताओं ने सत्तारूढ़ दल में अपना विश्वास बरकरार रखा है तो कहीं उसे पूरी तरह नकार दिया है। एक ही समय अलग-अलग राज्यों में हुए इन उपचुनावों के अलग-अलग परिणामों का विश्लेषण आसान नहीं है। इसलिए किसी निष्कर्ष पर पहुंच पाना तो और भी मुश्किल है।

हरियाणा से बात शुरू करें। तीन विवादास्पद कृषि कानूनों के विरोध में जारी किसान आंदोलन के समर्थन में इनेलो के एकमात्र विधायक अभय चौटाला के इस्तीफे के चलते ऐलनाबाद विधान सभा क्षेत्र में उपचुनाव की नौबत आयी। उपचुनाव हुआ तो अभय चौटाला को मैदान उतरना ही था। 2019 में हुए चुनाव में ऐलनाबाद में भाजपा के पवन बैनीवाल दूसरे स्थान पर रहे थे और कांग्रेस के भरत सिंह बैनीवाल तीसरे स्थान पर। इस बार पर्दे के पीछे की राजनीति ने इन दोनों की भूमिकाएं बदल दीं। पवन बैनीवाल अचानक न सिर्फ कांग्रेसी हो गये बल्कि उन्हें ऐलनाबाद से कांग्रेस का टिकट भी मिल गया। संभव है कि निर्दलीय विधायक गोपाल कांडा के भाई गोविंद कांडा और भाजपा के बीच मेल-मुलाकातों से पवन को अपना पत्ता साफ होने का पूर्वाभास हो गया हो। सत्तारूढ़ भाजपा-जजपा गठबंधन ने गोविंद कांडा पर दांव लगाया। यह दांव बेकार भी नहीं गया। न सिर्फ भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा बल्कि अभय की जीत का अंतर भी घटा, जबकि कांग्रेस के टिकट पर लड़ रहे पवन की जमानत ही जब्त हो गयी। इस उपचुनाव परिणाम से हरियाणा के राजनीतिक परिदृश्य के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना आसान नहीं—सिवाय इसके कि अंतर्कलह में डूबी कांग्रेस में गुटबाजी और बढ़ेगी। वीरभद्र सिंह-शांता कुमार-प्रेम कुमार धूमल की तिकड़ी के बीच फंसी रही हिमाचल की राजनीति में 2017 में जयराम ठाकुर का भाजपाई मुख्यमंत्री बनना किसी आश्चर्य से कम नहीं था। लगभग चार साल तक उनका मुख्यमंत्रित्वकाल भी निष्कंटक ही रहा,

लेकिन अब मंडी लोकसभा के साथ ही तीनों विधान सभा उपचुनावों में भी कांग्रेस की जीत उनके लिए शुभ संकेत नहीं है। जिस महंगाई की आड़ जयराम अपनी चुनावी नाकामी छिपाने के लिए लेना चाह रहे हैं, वह तो राष्ट्रव्यापी है। हिमाचल प्रदेश भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का गृह राज्य भी है। अगले साल विधान सभा चुनाव होने हैं। ऐसे में कांग्रेस के हाथों मिली इस शर्मनाक हार पर भाजपा मूकदर्शक नहीं बनी रह सकती पर पार्टी और राज्य के राजनीतिक समीकरणों के मद्देनजर बहुत सहज स्वाभाविक विकल्प उपलब्ध भी नहीं है। हिमाचल की तरह राजस्थान में भी कांग्रेस ने भाजपा को चौंकाया है। मध्य प्रदेश में दलबदल के जरिये कांग्रेस सरकार गिरा कर सत्ता में लौटी भाजपा राजस्थान में भी वैसी ही कोशिशें करती रही है। अंतर्कलह के बावजूद राजस्थान में कांग्रेस का दोनों विधान सभा उपचुनाव जीत जाना भाजपा के लिए बड़ा झटका है। ऐसा ही झटका बिहार में लालू यादव के राजद को लगा है। यहां के उपचुनाव परिणाम राजद और कांग्रेस, दोनों को ही आईना दिखाने वाले रहे हैं। असम में भी सत्तारूढ़ भाजपा और मित्र दल ने अच्छा प्रदर्शन किया है, मेघालय में भी भाजपा के मित्र दल के हिस्से ही जीत आयी है लेकिन यही बात कर्नाटक की बाबत नहीं कही जा सकती, जहां कुछ महीने पहले ही मुख्यमंत्री बदला गया है। कर्नाटक में दो सीटों के लिए हुए उपचुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा के हिस्से एक ही सीट आयी, जबकि दूसरी कांग्रेस के खाते में चली गयी। महाराष्ट्र में भी कांग्रेस एकमात्र उपचुनाव जीतने में सफल रही, जबकि मध्य प्रदेश में तीन सीटों के लिए हुए उपचुनाव में भी भाजपा की दो के मुकाबले उसके हिस्से एक सीट आ गयी। तेलंगाना में सत्तारूढ़ टीआरएस से उपचुनाव में विधानसभा सीट छीन लेने से निश्चय ही भाजपा का आत्मविश्वास बढ़ा होगा, लेकिन उससे उस सदमे की भरपाई संभव नहीं लगती जो पश्चिम बंगाल में लगा है। ममता की तृणमूल ने क्लीन स्वीप किया। ऐसे में वहां भाजपा की मुश्किलें बढ़ेंगी, क्योंकि राष्ट्रीय राजनीति में दस्तक के साथ ही ममता बनर्जी का राजनीतिक कद और आकर्षण बढ़ेगा ही। इसे अगर आगामी चुनावों के लिए संकेत मानें तो भाजपा के लिए निराशाजनक न सही चिंताजनक अवश्य हैं।

रंग लाएंगे राजभाषा को राष्ट्रभाषा और विश्वभाषा बनाने के प्रयास

प्रो. संजय द्विवेदी

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है बल्कि हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवत: सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो हमारे पारम्परिक ज्ञान, प्राचीन सभ्यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। आज देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ अंग्रेजी पूरे देश पर हावी होती जा रही है। देश की राजभाषा हिंदी होने के बावजूद आज हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है।

हिंदी जानते हुए भी लोग हिंदी में बोलने, पढ़ने या काम करने में हिचकने लगे हैं इसलिए भारत सरकार का प्रयास है कि हिंदी के प्रचलन के लिए उचित माहौल तैयार किया जा सके। राजभाषा हिंदी के विकास के लिए खासतौर से भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग का गठन किया गया है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो। केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्चित करने हेतु भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप कंप्यूटर पर हिंदी में कार्य करना अधिक आसान एवं सुविधाजनक हो गया है। राजभाषा विभाग द्वारा वेब आधारित सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है, जिससे भारत सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा अन्य रिपोर्टें राजभाषा विभाग को त्वरित गति से भिजवाना आसान हो गया है। सभी मंत्रालयों और विभागों ने अपनी वेबसाइटें हिंदी में भी तैयार कर ली हैं। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा संचालित जन कल्याण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों को हिंदी में मिलने से गरीब, पिछड़े और कमजोर वर्ग के लोग भी लाभान्वित होते हुए देश की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं।

देश की स्वतंत्रता से लेकर हिंदी ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत सरकार द्वारा विकास योजनाओं तथा नागरिक सेवाएं प्रदान करने में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हिंदी तथा प्रांतीय भाषाओं के माध्यम से हम बेहतर जन सुविधाएं लोगों तक पहुंचा सकते हैं। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय द्वारा 'विश्व हिंदी सम्मेलन' और अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष सरकार द्वारा 'प्रवासी भारतीय दिवस' मनाया जाता है, जिसमें विश्व भर में रहने वाले प्रवासी भारतीय भाग लेते हैं। विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम से भारतीय मूल्यों का विश्व में और अधिक विस्तार हो रहा है। विश्वभर में करोड़ों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को एक नई पहचान मिली है। भारतीय विचार और संस्कृति का वाहक होने का श्रेय हिंदी को ही जाता है। आज संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी हिंदी की गूंज सुनाई देने लगी है। हिंदी आम आदमी की भाषा के रूप में देश की एकता का सूत्र है। सभी भारतीय भाषाओं की बड़ी बहन होने के नाते हिंदी विभिन्न भाषाओं के उपयोगी और प्रचलित शब्दों को अपने में समाहित करके सही मायनों में भारत की संपर्क भाषा होने की भूमिका निभा रही है। हिंदी जन-आंदोलनों की भी भाषा रही है। हिंदी के महत्व को गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी। हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए तकनीकी कंपनियां इस भाषा को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं। यह खुशी की बात है कि सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी का इस्तेमाल बढ़ रहा है। आज वैश्वीकरण के दौर में, हिंदी विश्व स्तर पर एक प्रभावशाली भाषा बनकर उभरी है। आज पूरी दुनिया में 260 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है।

सोशल मीडिया और संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है। भाषा का विकास उसके साहित्य पर निर्भर करता है। आज के तकनीकी के युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भी हिंदी में काम को बढ़ावा देना चाहिए ताकि देश की प्रगति में ग्रामीण जनसंख्या सहित सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके लिए यह अनिवार्य है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तकनीकी ज्ञान से संबंधित साहित्य का सरल अनुवाद किया जाए। इसके लिए राजभाषा विभाग ने सरल हिंदी शब्दावली भी तैयार की है। राजभाषा विभाग द्वारा राष्ट्रीय ज्ञान-विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन योजना के द्वारा हिंदी में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकों के लेखन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बालों की सेहत के लिए जरूरी है

हेयर सीरम

वैसे तो एक स्टाइलिंग प्रोडक्ट होता है जो बालों के सर्फेस पर लगाया जाता है। हेयर सीरम कई तरह के होते हैं जिसे आप अपने बालों के टाइप को देखकर खरीदना और इस्तेमाल करना बेहतर होता है। ये हेयर सीरम बालों के फ्रीजीनेस को दूर करता है और एक्स्ट्रा साइन बालों में लाते हैं। हेल्थलाइन के मुताबिक इसके कई फॉमूला जो बालों को कई समस्याओं से बचाने का काम भी करते हैं। हम यहां आपको बताने जा रहे हैं कि बालों के लिए सीरम का प्रयोग कैसे करना चाहिए और यह कितना फायदेमंद है।

हेयर सीरम कैसे करें प्रयोग

जब भी बालों को शैंपू से धोएं तो बालों को टॉवल ड्राई कर इसका इस्तेमाल करें। अपने बालों के अंतिम छोर से शुरुआत करें और फिर बालों के बीच वाले हिस्से तक इसे सर्फेस पर लगाएं। ध्यान रहे कि स्कैल्प पर हेयर सीरम न लगाएं क्योंकि इससे आपके बाल ऑइली और ग्रीजी हो सकते हैं। इसे लगाते वक्त इस बात का भी ध्यान रखें कि कुछ 3 से 4 सेकेंड ये गाढ़े होते हैं। ऐसे में इसे अपनी हथेली पर लेकर तुरंत बालों पर रगने की बजाय 5-6 सेकेंड तक इसे अपनी हथेली पर रखें और जब ये सॉफ्ट हो जाए तो बालों पर लगाएं।

बालों में सीरम लगाने के फायदे

कंट्रोल करे फ्रीजीनेस

अगर आपके बाल बिलकुल ड्राई और फ्रीजी दिखने लगे हैं तो आप सीरम का प्रयोग कर इसे नॉर्मल और शाइनी बना सकते हैं। इसमें मौजूद सिलिकन बालों के टिश्यू को फ्रीजी होने से रोकता है। यह बालों को वेट देता है और बालों के नेचुरल कर्ल पैटर्न को मेंटेन करता है। कई सीरम में हाइड्रोलाइज्ड प्रोटीन होता है जो बालों को फ्रीजी होने से बचाते हैं।

दे एक्स्ट्रा शाइन

कई हेयर सीरम में ऐसे सिलिकन का प्रयोग किया जाता है जो लाइट को रिफ्लेक्ट करते हैं जिससे बाल एक्स्ट्रा शाइनी दिखती हैं।

स्मूथनेस बढ़ाए

अगर आपके बाल स्मूथ नहीं हैं तो ये अधिक उलझेंगे और टूटेंगे। ऐसे में बालों में स्मूथनेस बहुत ही जरूरी है। आप हेयर सीरम की मदद से बालों को मुलायम और सॉफ्ट बना सकते हैं।

दे प्रोटेक्शन

दरअसल हेयर सीरम बालों पर एक कोट बनाता है जिससे बाल किसी भी तरह के प्रदूषण, सन लाइट या किसी अन्य चीजों के साथ डायरेक्ट संपर्क में नहीं आता। जिस वजह से ये कई तरह के डैमेज से भी बचे रहते हैं। इसके अलावा यह हेयर स्टाइलिंग, पर्मिंग, कलरिंग, हीट डैमेज, सन एक्सपोजर आदि से भी बालों का बचाए रखता है।

हंसना मना है

पति-पत्नी पार्टी में जाते हैं । पत्नी आज तो स्टेज पर आग लगा देंगे। पति: अरे मैं माचिस लाना भूल गया... पत्नी, अरे मैं डांस की बात कर रही हूं। पत्नी: हां लेकिन तुम्हारे डांस करने पर लोग स्टेज को ही आग लगा देंगे।

मायके से पत्नी फोन पर: आपके बिना जी नहीं लगता! पति: अरे पगली, जी नहीं लगता तो स्टार या सोनी गोल्ड लगा कर देख ले, वो भी अच्छे चैनल हैं।

दो आदमी आपस में बातें कर रहे थे... पहला: ये 14 तारीख को क्या है? दूसरा: ये बता तू शादी-शुदा है या तेरी गर्लफ्रेंड हैं? पहला: मैं शादी-शुदा हूं... दूसरा: तो फिर तेरे लिए महावीर जयंती है।

पत्नी: मैं हमेशा के लिए घर छोड़ कर जा रही हूं। पति: मैं भी निर्मल बाबा के पास जा रहा हूं। पत्नी: मुझे मागने के लिए... पति: नहीं, ये बताने के लिए कि कृपा आनी शुरू हो गयी है...

पत्नी: मेरी तबीयत ठीक नहीं लग रही है! पति: ओह्ह, पर मैं तो तुम्हारे साथ शॉपिंग पर जाने की सोच रहा था। पत्नी: जानू, मैं तो मजाक कर रही थी। पति: मैं भी मजाक ही कर रहा था, चल उठ के खाना बना।

कहानी — फूटा घड़ा

बहुत समय पहले की बात है, किसी गांव में एक किसान रहता था। वह रोज भोर में उठकर दूर झरनों से स्वच्छ पानी लेने जाया करता था। इस काम के लिए वह अपने साथ दो बड़े घड़े ले जाता था, जिन्हें वो डंडे में बांधकर अपने कंधे पर दोनों ओर लटका लेता था। उनमे से एक घड़ा कहीं से फूटा हुआ था और दूसरा एक दम सही था। इस वजह से रोज घर पहुंचते-पहुंचते किसान के पास डेढ़ घड़ा पानी ही बच पाता था। ऐसा दो सालों से चल रहा था। सही घड़े को इस बात का घमंड था कि वो पूरा का पूरा पानी घर पहुंचता है और उसके अन्दर कोई कमी नहीं है। वहीं दूसरी तरफ फूटा घड़ा इस बात से शर्मिंदा रहता था कि वो आधा पानी ही घर तक पंहुचा पाता है और किसान की मेहनत बेकार चली जाती है। फूटा घड़ा ये सब सोचकर बहुत परेशान रहने लगा और एक दिन उससे रहा नहीं गया, उसने किसान से कहा, मैं खुद पर शर्मिंदा हूँ और आपसे क्षमा मांगना चाहता हूँ? क्यों?, किसान ने पूछा, तुम किस बात से शर्मिंदा हो? शायद आप नही जानते पर मै एक जगह से फूटा हुआ हूं और पिछले दो सालों से मुझे जितना पानी घर पहुंचाना चाहिए था बस उसका आधा ही पहुंचा पाया हूं। मेर अन्दर ये बहुत बड़ी कमी है, और इस वजह से आपकी मेहनत बर्बाद होती रही है। फूटे घड़े ने दुखी होते हुए कहा। किसान को घड़े की बात सुनकर थोड़ा दु:ख हुआ और वह बोला, कोई बात नहीं, मैं चाहता हूँ कि आज लौटते वक्त तुम रास्ते में पड़ने वाले सुन्दर फूलो को देखो। घड़े ने वैसा ही किया, वह रास्ते भर सुन्दर फूलों को देखता आया, ऐसा करने से उसकी उदासी कुछ दूर हुई पर घर पहुँचते-पहुँचते फिर उसके अन्दर से आधा पानी गिर चुका था, वो मायूस हो गया और किसान से क्षमा मांगने लगा। किसान बोला, शायद तुमने ध्यान नहीं दिया पूरे रास्ते में जितने भी फूल थे वो बस तुम्हारी तरफ ही थे, सही घड़े की तरफ एक भी फूल नहीं था। ऐसा इसलिए क्योंकि मैं हमेशा से तुम्हारे अन्दर की कमी को जानता था, और मैंन उसका लाभ उठाया। मैंने तुम्हारे तरफ वाले रास्ते पर रंग-बिरंग फूलों के बीज बो दिए थे, तुम रोज थोड़ा-थोड़ा कर के उन्हें सींचते रहे और पूरे रास्ते को इतना खूबसूरत बना दिया। आज तुम्हारी वजह से ही मैं इन फूलों को भगवान को अर्पित कर पाता हूं और अपना घर सुन्दर बना पाता हूं। तुम्ही सोचो अगर तुम जैसे हो वैसे नहीं होते तो भला क्या मैं ये सबकुछ कर पाता?

सीख: दोस्तों हम सभी के अन्दर कोई ना कोई कमी होती है, पर यही कमियां हमें अनोखा बनाती हैं। उस किसान की तरह हमें भी हर किसी को वो जैसा है वैसे ही स्वीकारना चाहिए और उसकी अच्छाई की तरफ ध्यान देना चाहिए,और जब हम ऐसा करेंगे तब फूटा घड़ा भी अच्छे घड़े से मूल्यवान हो जायेगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। व्यावसायिक समस्या का हल निकलेगा। नई योजना में लाभ की संभावना है। घर में मांगलिक आयोजन हो सकते हैं। रोजगार मिलेगा।

वृषभ शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। मान बढ़ेगा। स्वजनों से मेल-मिलाप होगा। नौकरी में ऐच्छिक पदोन्नति की संभावना है। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी।

मिथुन गीत-संगीत में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पुराना रोग उभर सकता है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

कर्क घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धनलाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में उन्नति के योग हैं। वाणी पर संयम आवश्यक है। जीवनसाथी से मदद मिलेगी। सामाजिक यश-सम्मान बढ़ेगा।

सिंह परिवार के सहयोग से दिन उत्साहपूर्ण व्यतीत होगा। योजनानुसार कार्य करने से लाभ की संभावना है। आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। धनार्जन होगा। संतान के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

कन्या नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कार्य में व्यय की अधिकता रहेगी। दांपत्य जीवन में भावनात्मक समस्याएं रह सकती हैं। राजमान प्राप्त होगा।

तुला व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पारिवारिक उन्नति होगी। सुखद यात्रा के योग बनेंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

वृश्चिक लाभ के अवसर मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी। कुछ मानसिक अंतर्द्वंद्व पैदा होंगे। पारिवारिक उलझनों के कारण मानसिक कष्ट रहेगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। यात्रा आज न करें।

धनु भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा में कमी आएगी। कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं। कर्मचारियों पर व्यर्थ संदेह न करें।

मकर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। राजकीय कार्य में परिवर्तन के योग बनेंगे। आलस्य का परित्याग करें। आपके कामों की लोग प्रशंसा करेंगे। व्यापार लाभप्रद रहेगा।

कुम्भ व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कानूनी मामले सुधरेंगे। धन का प्रबंध करने में कठिनाई आ सकती है। आहार की अनियमितता से बचें। व्यापार, नौकरी में उन्नति होगी।

मीन व्यापार-व्यवसाय सामान्य रहेगा। दूरदर्शिता एवं बुद्धि चातुर्य से कठिनाइयां दूर होंगी। राज्य तथा व्यवसाय में सफलता मिलने के योग हैं। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी।

बॉलीवुड | बिग बॉस 15

मैंने अपने पापा की इच्छा पूरी नहीं की : विक्की

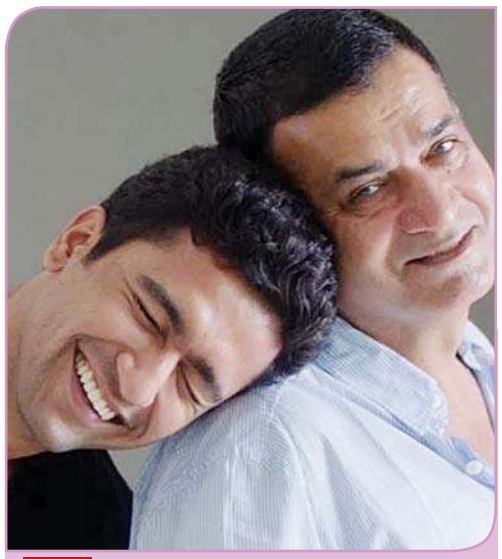

विक्की कौशल ने अपने हर किरदार से दर्शकों का दिल जीता है। वह जिस भी रोल को निभाते हैं, उसमें पूरी तरह से डूब जाते हैं। हालांकि एक्टर का कहना है कि उनके पिता चाहते थे कि वो एक्टर नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग को पेशे के तौर पर अपनाएं, लेकिन उन्होंने खुद महसूस किया कि यह वह क्षेत्र नहीं है जहां वह कुछ अच्छा कर सकते हैं। प्रसिद्ध साहसी बेयर ग्रिल्स के साथ इनटू द वाइल्ड विद बियर ग्रिल्स पर बातचीत के दौरान, अभिनेता ने साझा किया, दरअसल मैं एक इंजीनियरिंग का छात्र रहा हूं और अपने बच्चे को इंजीनियर बनते देखकर पिताजी बहुत खुश थे, क्योंकि मेरे से पहले मेरे परिवार में किसी ने भी 9 से 5 की नौकरी नहीं की है, जहां उन्हें मासिक वेतन चेक और वीकेंड में छुट्टी मिलती है ताकि वे परिवार के साथ समय की योजना बना सकें। हिंद महासागर में अपने अभियान के दौरान, विक्की ने अपने डर को दूर करने की कोशिश की और यहां तक कि पहली बार एक कच्चा केकड़ा खाने की भी कोशिश की। उन्होंने आगे कहा, मैं वास्तव में अपने जीवन में कभी समुद्र के पानी में नहीं गया। यहां तक कि गहरे समुद्र के पानी में भी नहीं। कभी नहीं! मैं समुद्र के पानी में पहली बार जा रहा हूं, मुझे मेरे डर से छुटकारा मिल जाएगा। बता दें कि इनटू द वाइल्ड विद बियर ग्रिल्स 12 नवंबर को डिस्कवरी प्लस पर स्ट्रीम होगा।

आर्या-2 का टीजर रिलीज

खौफनाक अंदाज में दिखीं सुष्मिता सेन

सुष्मिता सेन जब भी पर्दे पर आती हैं दर्शकों का दिल जीत लेती हैं। उन्होंने सिर्फ बड़े पर्दे पर ही नहीं, बल्कि डिजिटल की दुनिया में भी खुद को साबित किया है। पिछले ही दिनों सुष्मिता ने वेब सीरीज आर्या के जरिए डिजिटल की दुनिया में अपनी पारी शुरू की थी। अब एक्ट्रेस आर्या 2 के जरिए वापसी कर रही हैं।

सुष्मिता का खतरनाक लुक आया सामने

डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली सीरीज आर्या 2 में सुष्मिता को काफी दमदार अंदाज में देखा जाने वाला है। अब इस सीरीज का टीजर भी रिलीज कर दिया गया है। इसमें सुष्मिता का लुक सामने आ गया है। इस टीजर में एक्ट्रेस बहुत खतरनाक लुक में नजर आ रही हैं। उनका चेहरा लाल रंग के गुलाल में सना हुआ दिखाई दे रहा है। वहीं, सुष्मिता के चेहरे पर गुस्सा और तीखे तेवर साफ देखे जा सकते हैं।

ऐसी हो सकती हैं दूसरे सीजन की कहानी

कहा जा रहा है कि अब दूसरे सीजन की कहानी में आर्या अपने पति की हत्या का बदला लेने के लिए वापस लौटती है। पहली सीरीज में एक्टर चंद्रचूड़ सिंह को आर्या के पति के किरदार में दिखाया गया था, जिनकी आर्या के पिता ही हत्या करवा देते हैं। पहली सीरीज की सफलता के बाद से ही फैंस को इसके दूसरे सीजन का भी लंबे वक्त से इंतजार था।

टीजर ने बढ़ाई बेसब्री

अब टीजर रिलीज होने के बाद दर्शकों की उत्सुकता दोगुनी हो गई है। हालांकि, फिलहाल इस क्राइम ड्रामा वेब सीरीज की रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया गया है। बता दें कि इस सीरीज का निर्देशन राम माधवानी ने किया है।

सलमान खान की अंतिम से नया गाना चिंगारी हुआ रिलीज

सलमान खान और आयुष शर्मा की फिल्म अंतिम- द फाइनल ट्रूथ का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बीते दिनों सलमान खान ने इस फिल्म का ट्रेलर मुंबई में गेटी गैलेक्सी में लॉन्च किया था। अब फिल्म के गाने रिलीज किए जा रहे हैं।

हाल ही में आयुष और महिमा का रोमांटिक ट्रैक होने लगा को लॉन्च करने के बाद, निर्माताओं ने अब पारंपरिक मराठी अवतार में शानदार वलूचा डीसूजा अभिनीत चिंगारी नाम के नए गाने को रिलीज कर दिया है। इस गाने में वलूचा डिसूजा मराठी लावणी करती नजर आ रही हैं। वलूचा डिसूजा के महाराष्ट्रीयन

देसी अंदाज को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। साड़ी में लावणी करती हुई वलूचा फैंस के दिलों पर अपनी छाप छोड़ रही हैं। इस गाने को भी म्यूजिक कंपनी के यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। हितेश मोदक द्वारा रचित, वैभव जोशी द्वारा लिखित और सुनिधि चौहान द्वारा गाया गया, चिंगारी कृति महेश द्वारा कोरियोग्राफ किया गया है।

चिंगारी वलूचा पर फिल्माया गया एक एनर्जेटिक डांस नंबर है। सलमान खान, आयुष शर्मा और महिमा मकवाना अभिनीत अंतिम: द फाइनल ट्रूथ महेश मांजरेकर द्वारा निर्देशित, सलमान खान द्वारा निर्मित और सलमान खान फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत की गई है। यह फिल्म 26 नवंबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब | ये है दुनिया का सबसे शापित गांव

यहां पैदा होते हैं बौने बच्चे, नहीं बढ़ती लंबाई

हमारी दुनिया तमाम रहस्यों से भरी हुई है जिनके बारे में इंसान बहुत ही कम जानता है। आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें जिसमें सिर्फ बौने बच्चे ही पैदा होते हैं। हैरानी की बात ये है कि इन बच्चों की बुढ़ापे तक लंबाई नहीं बढ़ती। इस पूरे गांव में इसी वजह से सिर्फ बौने लोग ही रहते हैं। इस गांव को अब शापित गांव कहा जाने लगा है। ये गांव चीन में स्थित है। ये गांव चीन में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में एक रहस्य बना हुआ है। ये शापित गांव चीन के शिचुआन प्रांत में है। इसका नाम यांग्सी है। बता दें कि यांग्सी नाम के इस गांव में ज्यादातर आबादी छोटे कद के लोगों की है। इस गांव की कुल आबादी का पचास फीसदी भाग बौनों का है।

इनकी कुल लंबाई 2 फीट से लेकर मात्र तीन फीट तक है। बताया जाता है कि चीन के इस गांव में पैदा होने वाले बच्चों की लंबाई 5 से 7 साल की उम्र तक तो सामान्य रूप से बढ़ती है, लेकिन इसके बाद रुक जाती है। यानी इनकी लंबाई 2 फीट से लेकर 3 फीट 10 इंच तक ही रहती है और उसके बाद इनकी लंबाई पर ब्रेक लग जाता है। इनमें से कुछ लोगों की लंबाई 10 साल की उम्र तक बढ़ती है। इस गांव के आसपार रहने वाले लोगों का मानना है कि इस गांव पर किसी बुरी शक्ति

का साया है, जिसकी वजह से यहां के लोगों की लंबाई नहीं बढ़ पाती है। वहीं दूसरी ओर ऐसी मान्यता है कि ये गांव प्राचीन काल से ही शापित है, जिसका असर आज भी गांव पर देखने को मिलता है। हालांकि, लोगों के बौने होने के पीछे क्या रहस्य है, इसके बारे में पिछले 60 सालों में किसी को कुछ भी पता नहीं चला। वैज्ञानिक भी इस का पता लगाने की बहुत कोशिश कर चुके हैं लेकिन इसके रहस्य के बारे में नहीं जान पाए।

इस गांव के बड़े-बुजुर्गों का कहना है कि कई दशक पहले इस गांव में एक खतरनाक बीमारी फैल गई थी। बीमारी के कारण आज भी इस गांव के बच्चों की लंबाई एक समय के बाद रुक जाती है। चीन के इस गांव में ऐसा पिछले 60 सालों से होता आ रहा है। लोगों के बौने होने को लेकर कई बार इस गांव में शोध भी किये गए, लेकिन वैज्ञानिक आज तक इस समस्या का हल नहीं निकाल पाए। यही नहीं गांव के प्राकृतिक संसाधनों पर भी कई शोध किए गए लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। यांग्सी गांव को लेकर कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि इस की मिट्टी में पारा अधिक है। जिसकी वजह से भी लोगों की लंबाई नहीं बढ़ती है। वहीं बौनेपन का कारण वे जहरीली गैसें भी हो सकती हैं जो कई साल पहले जापान ने चीन में छोड़ी थी। खैर कारण कोई भी हो लेकिन रहस्य आज भी बना हुआ है।

लंबी उड़ान भरने में माहिर है ये चिड़िया, लगातार 239 घंटे उड़कर आई 13 हजार किमी दूर

दुनिया में कई चिड़िया उड़ान भरकर किसी खास सीजन में एक से दूसरी जगह जाती हैं। कई बार ये चिड़िया ग्रुप में उड़ान भरती हैं तो कई बार अकेले। ऐसी ही एक चिड़िया, जिसे गोडविट नाम दिया गया है, इन दिनों चर्चा में है। इस चिड़िया ने लगातार 239 घंटे की उड़ान (Bird Travels 239 Kilometer) पूरी की। इसमें चिड़िया ने 13 हजार किलोमीटर की दूरी तय की। चिड़िया अलास्का से ऑस्ट्रेलिया तक उड़कर पहुंच गई। इस चिड़िया ने अपनी उड़ान के जरिये पिछले साल बनाया अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। एक ऐसी चिड़िया है, जिसने लगातार 13 घंटे उड़ान भरी और अलास्का से उड़कर ऑस्ट्रेलिया पहुंच गई। इस चिड़िया ने अपनी उड़ान 17 सितंबर को शुरू की थी। इसके बाद लगातार 239 घंटे तक उसने लगातार उड़ान भरी। इसके बाद वो 27 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया पहुंची। इस चिड़िया ने पिछले साल अलास्का से न्यूजीलैंड का सफर तय किया था। लेकिन इस बार उसने अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया। फिलहाल इस चिड़िया ने ऑस्ट्रेलिया से भी उड़ान भर ली है। अब वो तस्मान समुद्र के ऊपर से गुजर रही है।

बता दें कि पिछले साल इस गोडविट ने 13 साल पहले अलास्का से न्यूजीलैंड के लिए उड़ान भरने का रिकॉर्ड तोड़ा था। 13 साल पहले दूसरी चिड़िया ने साढ़े 7 हजार किलोमीटर की दूरी तय की थी। इसे ही पिछले साल गोडविट ने तोड़ा था। लेकिन इस साल उसने अपने पुराने रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। गोडविट का वजन करीब 400 ग्राम का होता है। ये चिड़िया लंबी उड़ान से पहले जमकर कीड़े खा लेती है। इससे उड़ान के दौरान उसे भूख नहीं लगती। कई लोग इसे जेट फाइटर भी बुलाते हैं। ऐसा उड़ान भरते समय उसके शेप की वजह से है। फाइटर प्लेन की तरह बॉडी सिकोड़ लेने से ये बेहद स्पीड में उड़ान भरते हैं। गोडविट की ये प्रजाति अलास्का में ही पाई जाती है। लेकिन ये गर्मियों में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया चले जाते हैं। कहा जाता है कि ये करीब 22 साल तक जिंदा रहते हैं। अपनी उड़ान से पहले ये बॉडी के वजन का आधा फाइट स्टोर कर लेते हैं। इसी फाइट का इस्तेमाल वो ऊर्जा के लिए उड़ान के दौरान करते हैं।

अमीरों की तिजोरियां भर रही भाजपा : अखिलेश

कुशीनगर में जनसभा को किया संबोधित, कहा, प्रदेश की जनता परेशान, बढ़ी महंगाई और बेरोजगारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार किसान, लोकतंत्र और संविधान विरोधी है। भाजपा से ज्यादा झूठ और कोई नहीं बोलता है। भाजपा के जैम की सही परिभाषा झूठ, अहंकार और महंगाई है। उन्हें अपने जैम का जवाब देना है। यह बेचने वाली सरकार है, लोगों को रोजगार कहां मिलेगा? स्वास्थ्य-शिक्षा व कानून-व्यवस्था ध्वस्त है। प्रदेश बर्बाद हो गया है। उन्होंने कहा अगले वर्ष विधान सभा चुनावों में जनता को भाजपा और कांग्रेस दोनों का सफाया करना है। दोनों के कार्यक्रमों और सिद्धांतों में कोई फर्क नहीं है। दोनों एक ही दल हैं।

» प्रदेश में किसानों को कुचलने का किया जा रहा है काम

» गरीबों, दलितों और पिछड़ों का छीन रही है हक

कुशीनगर में अखिलेश ने कहा कि उनकी सरकार आने पर कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे। सरकार बनने पर गरीबों को पांच साल तक मुफ्त अनाज देंगे। भाजपा ने किसानों, व्यापारियों, गरीबों, पिछड़ों, दलितों और महिलाओं से झूठ बोलकर वोट लिया। साढ़े चार वर्षों में कोई वादा नहीं पूरा किया। अपनी मांगों को लेकर आंदोलन और लोकतांत्रिक ढंग से प्रदर्शन करने वाले किसानों, नौजवानों, कर्मचारियों को भाजपा ने अपमानित किया। आज उत्तर प्रदेश में सभी वर्ग मिलकर भाजपा के अपमान का बदला लेने को तैयार हैं। तीन काले कानून लाकर भाजपा किसानों की जमीन उद्योगपतियों के हाथ सौंपना चाहती है। किसान भाजपा की चाल को समझ गया है। समाजवादी पार्टी किसानों के साथ है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार आने पर किसानों के लिए खुशहाली और उनके विकास का कानून लाएंगे। भाजपा ने कहा था उनकी आय दुगनी करेंगे, आय कहां दोगुनी हुई? किसान को एमएसपी भी नहीं मिली। भाजपा के नेता किसानों को कुचल रहे हैं। चुनाव में किसान इसका जवाब देगा। डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की गैस के दाम महंगा कर भाजपा सरकार गरीबों को लूट रही है और अमीरों की तिजोरिया भर रही है। सरकारी संस्थानों को बेचकर गरीबों, पिछड़ों, दलितों का हक छीन रही है।

सपा ने किया विकास

उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेस-वे और मेट्रो परियोजनाएं समाजवादी सरकार की देन है। सपा ने उत्तर प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाने का काम किया। नौजवानों के लिए नौकरी और रोजगार का इंतजाम किया, अच्छी स्वास्थ्य सेवा के लिए पहले 108 एम्बुलेंस सुविधा दी। अच्छी कानून व्यवस्था के लिए विश्वस्तरीय डायल 100 सेवा दी। किसानों को मुफ्त सिंचाई की सुविधा दी लेकिन भाजपा सरकार ने पांच साल में सब कुछ बर्बाद कर दिया। केंद्र सरकार, एयरपोर्ट, पोर्ट, ट्रेन समेत सब कुछ बेचने पर जुटी है।

सोनू सूद की बहन मालविका लड़ेंगी पंजाब विधानसभा चुनाव

» पार्टी के नाम का अभी नहीं किया खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद की बहन मालविका सूद पंजाब विधान सभा चुनाव लड़ने जा रही हैं। इस बात का ऐलान खुद अभिनेता सोनू सूद ने रविवार को किया। हालांकि, वे किस पार्टी की ओर से चुनावी मैदान में उतरेंगी इसकी जानकारी सूद ने नहीं दी है। इससे पहले खबरें आ रही थीं कि खुद सोनू सूद भी आम आदमी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उन्हें 'देश का मेंटर' पहल का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया था।

सोनू सूद ने कहा, मालविका तैयार हैं। लोगों की सेवा करने की उनकी प्रतिबद्धता बेमिसाल है। उन्होंने बताया कि राजनीतिक दल में शामिल होना जीवन का बहुत बड़ा फैसला है। उन्होंने कहा, 'इसका सबसे ज्यादा लेना-देना विचारधारा से है, यदा-कदा होने वाली मुलाकातों से नहीं है। पार्टी को लेकर पूछे गए सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'हम पार्टी के बारे में सही समय पर जानकारी देंगे। मालविका ने हाल ही में पंजाब के सीएम चरणजीत सिंह चन्नी से मुलाकात की थी और खबर है कि वे 'आप के अरविंद केजरीवाल और शिरोमणि अकाली दल के सुखबीर सिंह बादल के साथ बैठक के लिए तैयार हैं।

दौड़ में अंजली चौरसिया ने मारी बाजी

» वाणिज्य कर विभाग के बाराबंकी सचल दल में है असिस्टेंट कमिश्नर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 35वीं पीएसी वाहिनी लखनऊ में आयोजित द्वितीय 12 घंटे स्टेडियम रन में एक बार फिर उ.प्र. वाणिज्य कर विभाग की बाराबंकी सचल दल में तैनात असिस्टेंट कमिश्नर अंजली चौरसिया ने बाजी मारी।

असिस्टेंट कमिश्नर अंजली ने 78 किमी दौड़ लगाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। गौरतलब है कि श्रीमती अंजली चौरसिया 43 वर्ष की हैं एवं एक बेटी और एक बेटे की मां भी हैं। उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर विभाग में भी उनका कलेक्शन अपने जोन में लगातार सर्वोच्च रहता है। यह दौड़ वेलनेस लखनऊ द्वारा आयोजित की गयी थी।

रैंकिंग में लॉ मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज यूपी में अव्वल

» एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग में शीर्ष दस संस्थानों में शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग में लॉ मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज को भारत में छठवां और यूपी में पहल स्थान मिला है। इस सफलता पर प्रिंसिपल ए दास ने अभिभावकों को धन्यवाद दिया है।

ए दास, प्रिंसिपल

उन्होंने बताया कि एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग 2021-22 में लॉ मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज को भारत में छठवां, उत्तर प्रदेश में पहला और प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पहला स्थान मिला है। हम लगातार 7वें वर्ष भारत के शीर्ष दस शैक्षणिक संस्थानों में शामिल हैं और भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि के लिए मैं स्टूडेंटस, अभिभावकों और कॉलेज स्टाफ की आभारी हूं और इस प्रगतिशील यात्रा को जारी रखने के लिए समर्पित हूं।

नाबालिग निकली दुल्हन पुलिस ने रोकी शादी

» चाइल्ड लाइन की सूचना पर हुई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। शादी की सारी तैयारी हो चुकी थीं। मेहमान घर पर जुट चुके थे। शाम को बरात आने पर उसके स्वागत की सारी तैयारी थी। इसी दौरान पता चला कि दुल्हन नाबालिग है। उसकी उम्र 16 साल है। चाइल्ड लाइन को सूचना मिलने पर वह रविवार को पुलिस लेकर दुल्हन के घर पहुंच गई। दुल्हन के स्वजन और गांव वाले पहले तो शादी रोकने को तैयार नहीं थे। मगर जब उन्हें बताया गया कि नाबालिग की शादी करना कानूनन अपराध है। जिसके बाद वे शादी रोकने के लिए राजी हुए।

मामला जगदीशपुरा इलाके का है। रविवार की सुबह चाइल्ड लाइन को सूचना मिली कि एक गांव में नाबालिग की शादी हो रही है। शाम को उसकी बरात आनी है। इस पर चाइल्ड लाइन थाने से पुलिस लेकर गांव पहुंच गई। स्वजन ने दुल्हन के बालिग होने का दावा किया। काउंसलिंग के दौरान दुल्हन के नाबालिग होने का पता चला। इस पर स्वजन को समझाया गया कि नाबालिग की शादी नहीं हो सकती। उधर, पुलिस के पहुंचने व दुल्हन के नाबालिग होने की जानकारी दूल्हे के स्वजन तक भी पहुंच गई। उन्होंने भी बरात रोक दी। चाइल्ड लाइन समन्वयक ऋतु वर्मा ने बताया कि किशोरी को बाल कल्याण समिति के सामने प्रस्तुत किया गया था। समिति ने किशोरी का विवाह रुकवाने का आदेश किया। किशोरी के स्वजन ने लिखकर दिया कि वह जब तक 18 साल की नहीं हो जाती तब तक वह उसकी शादी नहीं करेंगे।

कुलसुम मुस्तफा तल्हा को वकार रिजवी पुरस्कार

» पत्रकारिता और समाज सेवा में विशेष योगदान के लिए किया गया सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पत्रकारिता और समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए पहला वकार रिजवी मेमोरियल पुरस्कार कुलसुम मुस्तफा तल्हा को प्रदान किया गया।

कुलसुम मुस्तफा तल्हा ने बताया कि यह पुरस्कार मेरी पत्रकारिता में चालीस साल के सफर और ओसामा तल्हा सोसाइटी और किश्वरी कनेक्ट के तहत किए गए स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और करियर के क्षेत्र में की गयी सेवाओं के आधार पर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान उनका विशेष फोकस लिंग संवेदनशीलता और तलाफुज पर रहा। इसके अलावा मैंने उर्दू को प्रोत्साहित करने और गंगा-जमुनी तहजीब के क्षेत्र में विशेष काम किया। जिसकी विद्वानों ने सराहना भी की। हमने तलाफुज के लिए कई वर्कशॉप मुंबई प्रेस क्लब, प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, पीसी ऑफ लखनऊ, दूरदर्शन दिल्ली, आकाशवाणी में किया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अम्मार रिजवी, विशिष्ट अतिथि डॉ. मंसूर हसन, डॉ. मेहदी अब्बास और आयोजक डॉ. शारिब रुदलवी और प्रो. सबरा हबीब मौजूद रहे।

वैक्सीन लगवाने से बचने के लिए घर से भागे ग्रामीण

» तहसीलदार ने बुलाई पुलिस, गांव में पसरा सन्नाटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कन्नौज। जिले में तिर्वा कोतवाली क्षेत्र के अहेर गांव में रविवार को कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए टीम के साथ पहुंचे तहसीलदार को देखते ही ग्रामीणों ने घरों के दरवाजे बंद कर लिए। वैक्सीन लगवाने से बचने के लिए कुछ लोग खेतों की ओर भाग गए। इससे गांव में सन्नाटा पसर गया।

तहसीलदार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को वैक्सीन लगाने की कोशिश की तो विरोध शुरू कर दिया। इससे मौके पर पुलिस बुलानी पड़ी। बाद में मौलवी ने गांव की मस्जिद से एनाउंस कर ग्रामीणों को जागरूक किया तब लोग वैक्सीन लगवाने के लिए आगे आए। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 120 लोगों को वैक्सीन लगाई। तहसीलदार अनिल कुमार सरोज ने कहा कि टीम को देखकर ग्रामीण वैक्सीन लगवाने से बचने के लिए भागने लगे। अधिकांश लोग घर के अंदर जाकर छिप गए तो कुछ खेतों की ओर चले गए। मस्जिद से एनाउंस कराने के बाद ग्रामीण टीकाकरण के लिए जागरूक हुए और टीका लगवाया।

आप नेता संजय सिंह ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, कहा

चहेते अफसरों को रिटायर होने के बाद भी भाजपा देती है नौकरी

राष्ट्रहित में ईडी सीबीआई ही काम करती है इसीलिए कार्यकाल बढ़ाने के आध्यादेशों को दी गई मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद व यूपी प्रभारी संजय सिंह ने पीएम मोदी पर निशाना साधा है। आप नेता संजय सिंह ने दो टूक कहा सुप्रीमकोर्ट ने कहा कि नौकरी एक सीमा से ज्यादा नहीं बढ़ा सकते मगर पीएम मोदी नया अध्यादेश लेकर आ गए। उन्होंने कहा अब अपने चहेते अफसरों की नौकरी पीएम मोदी रिटायर होने के बाद भी राष्ट्रहित में पांच साल तक बढ़ा सकेंगे।

वैसे राष्ट्रहित में तो ईडी-सीबीआई ही काम करती है। इसीलिए मोदी अपने चहेतों का कार्यकाल बढ़ाने में लगे हैं ताकि इसका फायदा वे चुनावों में ले सके। ईडी और सीबीआई का डर दिखाकर चुनाव की राह भाजपा के लिए आसान कर सके। उन्होंने बताया कि भाजपा जुमलों वाली सरकार है, जनता को सिर्फ गुमराह करने का काम करती है। झूठे वादे कर सत्ता में आ जाती और फिर जनता को रामभरोसे छोड़ देती है। भाजपा का असली चरित्र यह है, जो जनता अब समझ चुकी है।

2022 के विधान सभा चुनाव में जनता भाजपा को सबक सिखाकर रहेगी। वहीं कांग्रेस ने भी केंद्र सरकार पर उन अध्यादेशों को जारी करने के लिए निशाना साधा, जिनके माध्यम से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशकों के कार्यकाल को अब अधिकतम पांच साल तक का किया जा सकता है। विपक्षी दल ने कहा कि सरकार ने दोनों एजेंसियों का इस्तेमाल अपने 'हेंचमेन' (गुर्गों) की तरह किया है, जिन्हें अब सम्मानित किया जा रहा है। सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निदेशकों का कार्यकाल मौजूदा दो वर्ष की जगह अधिकतम पांच साल तक हो सकता है। सरकार ने इस संबंध में दो अध्यादेश जारी किए। विनीत नारायण के प्रसिद्ध मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के मद्देनजर फिलहाल सीबीआई और ईडी के निदेशकों की नियुक्ति की तारीख से उनका दो साल का निश्चित कार्यकाल होता है।

मजबूती से भाजपा के खिलाफ आवाज उठाएगा विपक्ष

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने इस मामले में कहा मोदी सरकार अधिकारों को हड़पने तथा चुनी हुई सरकारों को अस्थिर करने के लिए हेंचमेन की तरह ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल करती है। विपक्षी दलों के नेताओं पर ईडी और सीबीआई के छापे रोजाना की बात बन गयी है पर विपक्ष डरने वाला नहीं, बल्कि मजबूती से भाजपा के खिलाफ आवाज उठाएगा। उन्होंने ट्वीट में लिखा मोदी सरकार में ईडी-सीबीआई की सही व्याख्या है ईडी इलेक्शन डिपार्टमेंट। सीबीआई- कंप्रोमाइज्ड ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन।

योगी राज में महिलाओं और गरीबों पर जुल्म बढ़े: प्रियंका

» 2022 के चुनाव में गठबंधन नहीं करेगी कांग्रेस, प्रियंका बोलीं अपनी दम पर लड़ेंगे चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की छवि सुधारने में जुटीं प्रियंका गांधी ने बुलंदशहर से प्रतिज्ञा सम्मेलन लक्ष्य की शुरुआत की। प्रियंका गांधी ने कहा, कई पार्टी कार्यकर्ताओं ने मुझसे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करने के लिए कहा है। मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहती हूं कि हम सभी सीटों पर लड़ेंगे और अकेले लड़ेंगे। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी आज छोटीकाशी अनूपशहर में वेस्ट यूपी के 14 जिले के कांग्रेस पदाधिकारियों को विधानसभा चुनाव में जीत दिलाने की प्रतिज्ञा कराने पहुंची थीं।

प्रियंका ने अपने संबोधन के दौरान भाजपा सरकार में हुए पुलिसिया जुल्म की दास्तां भी सुनाई।

उन्होंने कहा, योगी राज में महिलाओं और गरीबों पर जुल्म बढ़े हैं। प्रियंका गांधी ने बुलंदशहर की जनता से भी कई वादे किए। गोरखपुर की प्रतिज्ञा को दोहराते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनी तो महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं को रोजगार मुहैया कराया जाएगा। प्रियंका गांधी ने कहा, आजादी के लिए गांधी जी, नेहरू जी, सरदार पटेल ओर बाबा साहेब ने कुर्बानी दी, लेकिन भाजपा के नेतृत्व को आजादी का अर्थ नहीं पता। आज कुछ लोगों के पास ही आजादी है। उन्होंने हाथरस की घटना का जिक्र करते हुए कहा, पीड़ित परिवार को इतनी आजादी नहीं मिली कि वह अंतिम संस्कार तक कर सकें। करो या मरो नारा के अब दोबारा साकार करने का समय आ गया है। प्रियंका गांधी ने महंगाई पर भी भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, 70 साल में पेट्रोल का दाम 70 रुपये हुआ। पिछले सात साल में 100 रुपए हो गया। गैस डीजल के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। आपकी लड़ाई सपा और बसपा नहीं सिर्फ कांग्रेस लड़ रही है।

यूपी में डेढ़ करोड़ लोगों को मिला रोजगार: तिवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने कहा यूपी सरकार ने पिछले साढ़े चार वर्षों में लगभग 80 लाख सूक्ष्म, लघु व मध्यम दर्जे की औद्योगिक इकाइयों को ऋण उपलब्ध कराते हुए 1.50 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये गए हैं। वह नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला-2021 में उत्तर प्रदेश मंडप का उद्घाटन कर रहे थे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु व मध्यम दर्जे की औद्योगिक इकाइयों (एमएसएमई) की स्थापना की दृष्टि से यूपी देश में पहले स्थान पर है। प्रदेश में कुल 89.99 लाख इकाईयां पंजीकृत हैं, जो देश की कुल पंजीकृत इकाइयों का 14.20 प्रतिशत है। प्रदेश सरकार द्वारा एमएसएमई क्षेत्र को बैंकों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा कर्ज दिलाने के लिए आनलाइन ऋण मेले आयोजित कर रही है।

चित्रकूट: हिंदुओं की एकता के लिए महाकुंभ अगले माह

» आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत होंगे मुख्य अतिथि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हिंदुओं को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए चित्रकूट में 15 दिसंबर को हिंदू एकता महाकुंभ होगा। महाकुंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। पद्मविभूषण जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज के अध्यक्षता में होने वाले महाकुंभ की तेजी से तैयारी चल रही हैं।

रानीपुर भट्ट पेट्रोलपंप के सामने होने वाले महाकुंभ की व्यवस्थाओं का जायजा लेने डीएम शुभ्रांत कुमार शुक्ला, एसपी धवल जायसवाल व मुख्य विकास अधिकारी अमित आसेरी पहुंचे। अधिकारियों ने कार्यक्रम के लिए निर्धारित स्थान का ले-आउट देखा। आयोजकों से सुरक्षा और अग्निशमन से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने यातायात व्यवस्था सहित पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया। विशिष्ट अतिथियों की सुरक्षा और प्रोटोकॉल संबंधित सुझाव दिए। काफी लोगों के आने की संभावना को देखते हुए आवश्यक सुविधाओं व सुरक्षित भीड़ प्रबंधन का भी विश्लेषण किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक अनिल ने भी प्रस्तावित कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया। महाकुंभ के संयोजक तुलसीपीठ के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास ने बताया कि इस संक्रमणशील विश्व में हिंदू समाज को आत्ममंथन करने की जरूरत है। यह कार्यक्रम इसीलिए है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।